शिक्षक दिवस की झलकियाँ पेज 3-5 पर

हिंदी विवि में शिक्षक दिवस पर शिक्षक संघ का आयोजन

भविष्य निर्माणकर्ता हैं शिक्षक- कुलपति मिश्र

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के शिक्षक संघ के तत्वाधान में शिक्षक दिवस के अवसर पर नवागन्तुक शिक्षकों का स्वागत एवं शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। विवि शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. धरवेश कठेरिया ने कुलपति मिश्र को शाल भेंट कर स्वागत किया। आयोजन के मुख्य अतिथि हिंदी विवि की अतिथि लेखिका एवं ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानति प्रतिभा राय का स्वागत कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विवि के कुलपति गिरिश्वर मिश्र ने किया। हिंदी विवि में आए नवागन्तुक शिक्षकों को शाल और पुष्प देकर कुलपति मिश्र ने सम्मानित किया।

स्वागत समारोह की मुख्य अतिथि प्रतिभा राय ने शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों को प्रारंभिक शिक्षा से अवगत कराते हुए कहा कि मैं आज भी छात्रा हूं। शिक्षक वही है जो हमेशा छात्र की तरह सोचता है। जिस दिन आप सीखना बंद कर देते हैं उसी दिन एक शिक्षक की मौत हो जाती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विवि के कुलपति मिश्र ने सभी शिक्षकों को शिक्षक की गरीमा, आदर्श, मूल्य, नैतिकता और उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया। शिक्षक के दायित्वों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षक सृजनकर्ता है, निर्माणकर्ता है। आज सूचना प्रवाह का युग है। किसी भी प्रकार की

सूचना आसानी से उपलब्ध हो जाती है ऐसे में शिक्षक को हमेशा अपडेट रहने की आवश्यकता है। विद्यार्थियों का कल्याण अध्यापक का प्रथम दायित्व होता है। अनुभव से आप किसी भी समस्या का समाधान कर सकते हैं। विवि की बात करते हुए उन्होंने कहा कि विवि की प्रगति हमारी और आपकी प्रगति है। हिंदी का विस्तार हो रहा है।

विवि शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. कठेरिया ने कुलसचिव एवं विख्यात अनुवादक राजेन्द्र प्रसाद मिश्र को पुष्प और शाल भेंट कर सम्मानित किया। स्वागत समारोह में शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ.कठेरिया ने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार प्रगति के पथ पर है। विवि में कुलपति मिश्र के आगमन के बाद से अकादमिक गतिविधियों का स्वरूप बदल गया है। नित नए नवचारों के कारण विभिन्न विषयों पर विवि में कई शोध परियोजनाएं चल रही है जिसका पूरा श्रेय कुलपति मिश्र को जाता है।

शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रोफेसर अरबिंद झा ने कहा कि संघार से ही सृजन होता है। अपने अंदर की बुराईयों को मारकर ही आप नई दिशा की ओर बढ़ सकते हैं। शिक्षक दिवस समारोह में अपने छात्र जीवन के अध्यापकों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि मेहनत हमारी है लेकिन हमें गढ़ने का काम हमारे शिक्षकों ने किया है। जरूरी नहीं की सिर्फ पढ़ाने वाले ही आपके गुरू हों। गुरू ज्ञान का भंडार है। गुरू शक्तिपूंज है। गुरू बिना ज्ञान नहीं हो सकता है।

शिक्षक समारोह में विवि के अतिथि लेखकर अरबिंद मोहन को भी सम्मानित किया गया। मंच संचालन शिक्षक संघ के महासचिव डॉ. राकेश मिश्र और धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष संदीप सपकाले ने किया। इस अवसर पर विवि के शिक्षक उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस की झलकियाँ

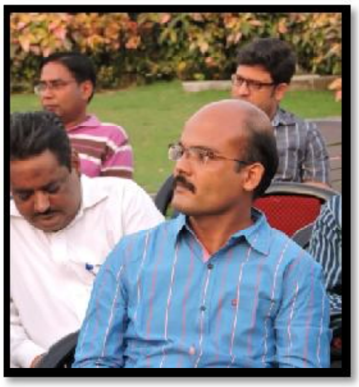

प्रस्तुति
अविनाश त्रिपाठी, निरंजन कुमार

छायांकन- अविनाश त्रिपाठी